तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 17 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 9 मार्च 2026

11 प्रशिक्षण भारतीय जनता पार्टी की आत्मा

12 नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी को किया सम्मानित

खबर संक्षेप

पिस्तौल और कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

सोनीपत। पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सहायक उप निरीक्षक अमित अपनी टीम के साथ सेक्टर-7 जीटी रोड मोड़ पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें गुप्त सूचना मिली कि गांव बीधल निवासी अमन को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक नवीन ने आगे की कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

आंखों का निःशुल्क जांच शिविर आज

सोनीपत। महात्मा आशानन्द वधवा हिन्दू मंच सोनीपत के तत्वावधान में नागरिक हस्पताल के सौजन्य से आंखों की निःशुल्क जांच, मुफ़्त दवाई तथा मुफ़्त आप्रेशन कैम्प का आयोजन 9 मार्च को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक ग्राम पांची, पुरखास रोड में आयोजित किया जाएगा। हरिचंद स्नेही ने लोगों से आह्वान किया कि वे शिविर का लाभ उठाएं।

बाइक चोरी के आरोप में में दो युवक गिरफ्तार

गोहाना। शहर थाना की पुलिस ने बाइक चोरी में आरोपित रोहतक के गांव बैंसी के दीपक और गोहाना में कबीर बस्त के प्रवेश को गिरफ्तार किया। दोनों को न्यायालय के आदेश पर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। गांव गोरड़ के पवन ने शनिवार को पुलिस को शिकायत दी थी कि वह और उसका रिश्तेदार गांव मोई हुड्डा का रणधीर गोहाना आए थे। महम रोड स्थित श्योराण चौक के पास संतुलन बिगडने से बाइक गिर गई थी और वे घायल हो गए थे। बाइक को शराब ठेके के पास खड़ी करके वे उपचार कराने गए। तीन-चार घंटे बाद वापस आए तो बाइक नहीं मिली। पुलिस ने आरोपित दीपक व प्रवेश को गिरफ्तार किया और उनसे बाइक बरामद की। दूसरी तरफ सदर थाना की पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में गांव बिधल के मोहित को गिरफ्तार किया। गांव सरगथल के रवि ने 17 नवंबर 2025 को पुलिस को शिकायत दी थी कि खेड़ी दमकन गांव के पास से उसकी बाइक चोरी कर ली। पुलिस ने आरोपित मोहित को अदालत में पेश किया।

शहर की सड़कें होंगी चकाचक, नगर निगम मरम्मत पर खर्च करेगा 1.74 करोड़ रुपये

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कई सड़कें व कॉलोनियों की गलियां खस्ताहाल हो चुकी हैं। सड़कों पर हो चुके बड़े-बड़े गड्ढों के कारण राहगीरों व वाहन चालकों भी चलना मुश्किल हो रहा है। कदम-कदम पर गड्ढे वाहन चालकों के मार्ग में बाधा बन रहे हैं। खस्ताहाल सड़कों के कारण वाहन चालक डगमगा रहे हैं, जबकि अधिकारियों से लेकर नेता तक नगर निगम के चुनावी माहौल में व्यस्त हैं। इधर आमजन गड्ढों में हिचकोले खाने को मजबूर है। समाधान शिविर, हरपथ एप व सीएम विंडो पर शिकायतें आने के बाद नगर निगम ने खस्ताहाल सड़कों दुरुस्त करवाने का निर्णय लिया है। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली खस्ताहाल सड़कों की हालत सुधारने के लिए 1.74 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी।

जलभराव से भी मिलेगी राहत

शहर की विभिन्न सड़कों की मरम्मत व पेंचवर्क करवाने के लिए नगर निगम की ओर से टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने व अलॉटमेंट के बाद सड़कों पर मरम्मत संबंधी कार्य शुरू किए जाएंगे। फिलहाल कई कॉलोनियों व विभिन्न मार्गों पर निकासी की अव्यवस्था के चलते बारिश के दौरान सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन जाती है। इससे सड़कों की ऊपरी परत उखड़कर बिखर चुकी है। जिससे सड़कों पर गड्ढे बनने से राहगीरों व वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है। इसके अलावा विवेकानंद चौक के पास भी सड़क पर गड्ढे बन चुके हैं। कुछ समय पहले यहां आसपास नगर निगम की ओर से सीसी की सड़क बनवाई गई है, लेकिन सेक्टर¬-14 व 15 की ओर जाने वाले मार्ग पर सड़क खस्ताहाल हो चुकी है। सड़क की ऊपरी परत उखड़ने से गड्ढे बन चुके हैं। निगम क्षेत्र की ओर से वर्ष 2025 में भी बारिश के चलते खस्ताहाल हो चुकी सड़कों की मरम्मत करवाने के लिए 50 लाख रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। उक्त राशि से शहर के पूर्वी व पश्चिमी जोन के लिए अलग-अलग एजेंसी को 25-25 लाख रुपये का टेंडर दिया गया था। इतनी राशि खर्च होने के बावजूद शहरवासियों को गड्ढों की समस्या से निजात नहीं मिल पाई है। ऐसे में नगर निगम ने अब 1.74 करोड़ रुपये से शहर की सड़कों को सुधारने का जिम्मा लिया है। सड़कों की मरम्मत के लिए संबंधित एजेंसी को एक वर्ष के लिए कार्य अलॉट किया जाएगा। उधर लोक निर्माण विभाग ने गीता भवन चौक से पुरखास रोड तक सड़क पर नई लेयर बिछाने के बाद शनि मंदिर के पास कार्य को अधूरा छोड़ दिया है। जिसके कारण वाहन चालक परेशान है। शनि मंदिर रेलवे अंडरपास के पास सड़क ऊपरी परत उखड़ चुकी है।

मिलेगी राहत

- शहर में कई जगह सड़कों व कॉलोनियों की गलियों में ज्यादा गड्ढे होने की कारण राहगीरों व वाहन चालकों को आवागमन में झेलनी पड़ रही परेशानी
- सड़कों को दुरुस्त बनाने के लिए निगम ने शुरू की टेंडर प्रक्रिया, अलॉटमेंट होने के बाद शुरू कराया जाएगा काम
- सड़कों पर गड्ढे से हो रहे बार-बार हादसे शहरवासी पोर्टल व अधिकारियों को कई बार शिकायत कर चुके, अब होगा समाधान
- सड़कों के सुधार पर नगर निगम ने वर्ष 2025 में खर्च की थी 50 लाख रुपये की राशि, लोगों को फिर भी नहीं मिली गड्ढों से निजात

सोनीपत । शहर के मसद मोहल्ला में खस्ताहाल गली।

इन क्षेत्रों में सड़कों के सुधार की गुहार

निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कई क्षेत्रों में सड़कों के सुधार की मांग है। स्थानीय लोग कई बार अधिकारियों से सड़कों की मरम्मत करवाने की मांग कर चुके हैं, लेकिन आज तक लोगों की समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इनमें शहर का ककरोई रोड, महलाना रोड, काठमंडी क्षेत्र, परशुराम चौक, पुराना औद्योगिक क्षेत्र, मसद मोहल्ला, सेक्टर-14 मेन रोड व लिंक रोड, सेक्टर-15, सेक्टर-23 की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बहालगढ़ रोड सहित विभिन्न कॉलोनियों की गलियां शामिल हैं।

पोर्टल पर आई शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश

नगर निगम ने समाधान शिविर, हरपथ एप व सीएम विंडो पर सड़कों से संबंधित आने वाली शिकायतों के निवारण के लिए टेंडर लगाया है। इससे पहले हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रधान सलाहकार डीएस ढेसी ने 3 फरवरी को सोनीपत शहरी विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) की छठी मासिक बैठक ली थी। इसमें सोनीपत, गन्नौर, खरखौदा व कुंडली क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों व भविष्य की अन्य परियोजनाओं की समीक्षा की गई थी। उस दौरान डीएस ढेसी ने म्हारी सड़क पोर्टल व अन्य पोर्टलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकरियों को निर्देश दिए थे कि वह पोर्टल की मॉनिटरिंग करते हुए पोर्टल पर जो भी शिकायत मिले उसका तुरंत समाधान करवाएं, ताकि लोगों को सड़कों से संबंधित किसी प्रकार की परेशानी न हो।

टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद काम शुरू होगा

समाधान शिविर, हरपथ एप व सीएम विंडो पर सड़कों से संबंधित आने वाली सड़कों संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए नगर निगम 1.74 करोड़ रुपये का टेंडर लगाया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद नगर निगम क्षेत्र में अंतर्गत आने वाली सभी खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत व पैंचवर्क का कार्य शुरू करवाया जाएगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही एजेंसी को अलॉटमेंट देकर काम शुरू करवाया जाएगा।

-पद्मभूषण, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम

ट्राले की टक्कर में युवक की मौत

गोहाना। रोहतक-पानीपत हाईवे स्थित गोहाना में ट्रक मार्केट के पास ट्राला की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान गोहाना में इंद्रगढ़ी कालोनी के हरदीप के रूप में हुई। पिता की शिकायत पर शहर थाना में केस दर्ज किया गया। इंद्रगढ़ी कालोनी के लीलूराम ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा हरदीप ट्रक मार्केट में फतेह सिंह ट्रांसपोर्ट व मैटीरियल सप्लायर की दुकान पर काम करता था। उसके पास कृष्ण नाम के व्यक्ति ने फोन करके बताया कि उसके बेटे हरदीप को ट्राला ने सीधी टक्कर मार दी और वह उसे भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल ले जा रहा है। जब वे अस्पताल पहुंचे तो चिकित्सक ने उसके बेटे को मृत घोषित कर दिया।

- हरदीप ट्रक मार्केट में एक दुकान पर काम करता था
- पुलिस ने पिता की शिकायत पर केस दर्ज किया

बीड़ी देने से मना करने पर युवक पर हमला

गन्नौर । गांव आहुलाना में बीड़ी देने से मना करने पर एक युवक पर तेजधार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। घायल युवक को उपचार के लिए खानपुर मेडिकल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव आहुलाना निवासी कुलदीप ने बताया कि वह 7 मार्च की शाम करीब छह बजे अपने चाचा संजय उर्फ काला के साथ सत्तु माता मंदिर के पास कच्चे रास्ते पर बैठकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान गांव का ही सुभाष वहां आया और उससे बीड़ी मांगने लगा। बीड़ी खत्म होने की बात कहने पर वह वहां से चला गया। आरोप है कि करीब 20 मिनट बाद सुभाष हाथ में नुकीला हथियार लेकर वापस आया और उस पर हमला कर दिया। उसने कुलदीप के सिर पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शिकायत पर आरोपित सुभाष के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

- घायल खानपुर मेडिकल कॉलेज में उपचाराधीन
- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया

क्षतिग्रस्त सीवर में धंस गई कार

गन्नौर। शहर के जनता स्कूल रोड पर क्षतिग्रस्त सीवर लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। सड़क धंसने के कारण रविवार को एक कार अचानक सीवर में फंस गई। हालांकि कार सवार व्यक्ति बाल-बाल बच गए। स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद कार को बाहर निकाला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जनता स्कूल रोड पर कई दिनों से सीवर क्षतिग्रस्त पड़ा है। जिससे यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को हमेशा दुर्घटना का डर बना रहता है। रविवार को जब एक कार चालक वहां से गुजर रहा था तो अचानक सड़क धंस गई और कार का पहिया सीवर में जा फंसा। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकालते हुए कार को भी बाहर निकलवाया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्होंने कई बार जनस्वास्थ्य विभाग को क्षतिग्रस्त सीवर के बारे में शिकायत दी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

महिला पर फायरिंग करने के आरोपी गिरफ्तार, केस

गोहाना। थाना सदर की पुलिस ने फायर कर जानलेवा हमला करने की घटना मे संलिप्त आरोपित सोनीपत में मयूर विहार के आशु, गांव तिहाड़ मलिक के सचिन व गांव माहरा के रोहित का गिरफ्तार किया। आरोपितों को न्यायालय के आदेश पर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गांव बीधल के जोनी ने 26 फरवरी पुलिस को शिकायत दी थी कि वह अपने घर की छत पर था। उसी समय दो बाइकों पर रजवाहे की तरफ से कई युवक आए उनके घर पर फायर किए। उस समय गली में खड़ी उसकी मां पर भी फायर किए थे, जिन्होंने भागकर जान बचाई थी। पुलिस ने आरोपित आशु, सचिन व रोहित को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपियों से हथियार बरामद करने का प्रयास कर रही है।

तलाक का केस लड़ रहे वकील को जान से मारने की धमकी, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

महिला का तलाक का केस लड़ रहे अधिवक्ता को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने अधिवक्ता को वीडियो काल कर जान से मारने की धमकी दी है। शिकायत पर थाना सेक्टर-27 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर-14 के रहने वाले अधिवक्ता विवेक कुमार ने पुलिस को बताया कि वह एक महिला का तला का केस लड़ रहे हैं। मामले को लेकर पांच मार्च को सुनवाई थी।

उनके पास पांच मार्च की रात को अनजान नंबर से फोन काल आई। अनजान नंबर होने के चलते उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद दूसरे नंबर से काल आने लगी। जब उसने काल उठाई तो उसके साथ गाली गलौज किया जाने लगा। आरोपित ने बताया कि वह जिस महिला का तलाक का केस लड़ रहे है। उसके पति है।

जिसके बाद उसने काल काट दी। कुछ देर बाद वाट्सएप पर वीडियो काल आई। आरोपित वीडियो काल कर कहा कि वह उसके खिलाफ केस लड़कर अच्छा नहीं कर रहा है। इसका अंजाम भुगतना होगा। आरोपित उसे 1 मिनट 34 सैकेंड तक धमकाता रहा। इस दौरान उसने स्क्रीन रिकार्डिंग कर ली। उसने पुलिस को रिकार्डिंग भी सौंपी है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

- महिला के पति पर आरोप, वकील ने स्क्रीन रिकार्डिंग कर पुलिस को सौंपी, जांच शुरू

सोनीपत पुलिस ने दिल्ली से दो आरोपी पकड़े

महिला अकाउंटेंट का व्हाट्सएप हैक कर 76.20 लाख की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत पुलिस ने व्हाट्सएप हैक कर लाखों रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपितों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी की गई रकम में से 43 लाख 43 हजार रुपये बैंक खातों में फ्रीज करवा दिए हैं। आरोपितों के कब्जे से दो मोबाइल फोन तथा 4200 रुपये बैंक के माध्यम से व नगद बरामद किए गए हैं। थाना साइबर सोनीपत की टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रमेश निवासी शाहदरा दिल्ली और शबान निवासी जामा मस्जिद दिल्ली के रूप में हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक बसंत कुमार के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक जोगिंद्र, सहायक उपनिरीक्षक विनीत, मुख्य सिपाही प्रदीप, मुख्य सिपाही गुलशन और एसपीओ दिनेश की टीम ने तकनीकी जांच के आधार पर दोनों आरोपितों को दिल्ली से गिरफ्तार किया। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अज्ञात लिंक, कॉल या संदेश पर विश्वास न करें और निवेश या भुगतान से पहले पूरी जांच अवश्य करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन 1930 या राष्ट्रीय साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

- 43 .43 लाख रुपये बैंक खातों में फ्रीज करवाए

आरपी फैब्रिक्स नामक फर्जी कंपनी में पैसे ट्रांसफर करवाए

पुलिस के अनुसार 25 फरवरी 2026 को सोनीपत निवासी एक महिला ने शिकायत दी थी कि वह कुंडली स्थित एक निजी कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत है। उसके मोबाइल पर उसके वरिष्ठ साहिल गर्ग के नाम से सेव व्हाट्सएप नंबर से भुगतान संबंधी संदेश आया। विश्वास में आकर उसने बताए गए बैंक खाते में भुगतान कर दिया। बाद में पता चला कि साहिल गर्ग का व्हाट्सएप नंबर हैक कर ठगों ने खुद को कंपनी का अधिकारी बताकर आरपी फैब्रिक्स नामक फर्जी कंपनी के खाते में 76 लाख 20 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत थाना साइबर सोनीपत में केस दर्ज किया गया।

बड़ौता में घर में घुसकर युवक पर हमला, ईंट मारी

गोहाना। गांव बड़ौता में घर में घुसकर युवक को ईंट मारकर घायल कर दिया। आरोपितों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। सदर थाना में दो के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। रविंद्र ने पुलिस को बताया कि वह अपने भाई जितेंद्र के साथ घर पर था। उसी समय दो युवक घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। एक युवक ने उसके सिर में ईंट मारी, जिससे वह नीचे गिर गया। बचाव में आए उसके भाई से भी मारपीट की। शोर सुनकर पड़ोस के लोग आए तो आरोपित धमकी देकर भाग गए। स्वजन उसे भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल लेकर गए, जहां से उसे पीजीआइ रोहतक रेफर किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- युवक को बचाने आए भाई पर आरोपियों ने हमला किया
- शिकायत पर दो के खिलाफ केस दर्ज

सीवर लाइन के निर्माण में गड़बड़ी पूर्व महापौर ने काम रुकवाया

रोड़ी का बेस न बनाने पर ठेकेदार को फटकारा

सोनीपत। नगर निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने लहराड़ा बाईपास पर डाली जा रही सीवर लाइन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और कार्य में लापरवाही पाए जाने पर ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फोन कर काम तुरंत रोकने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रविवार को निरीक्षण के दौरान राजीव जैन मौके पर पहुंचे तो पाया कि ठेकेदार पाइप लाइन दबाकर उस पर मिट्टी डाल रहा था, जबकि पाइप के नीचे रोड़ी का बेस नहीं बनाया गया था। इस पर उन्होंने आपत्ति जताई तो ठेकेदार ने कहा कि केवल इसी पाइप के नीचे रोड़ी नहीं डाली गई, बाकी पाइपों के नीचे डाली जा रही है। इस पर नाराजगी जताते हुए राजीव जैन ने कार्यकारी अभियंता पद्म भूषण को निर्देश दिए कि जब तक काम सही ढंग से नहीं किया जाता, तब तक कार्य बंद रखा जाए।

लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

राजीव जैन ने कहा कि ककरोई रोड पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनने के बाद से कई बार लाइन ठीक से नहीं चल पाई और कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त भी हो गई थी। इस कारण आसपास की कॉलोनियों और राहगीरों को लंबे समय तक परेशानी झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि यदि इस बार भी कार्य सही तरीके से नहीं हुआ तो समस्या का समाधान होने की बजाय और बढ़ सकती है। जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ेगी।

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।

-मुंशी प्रेमचंद

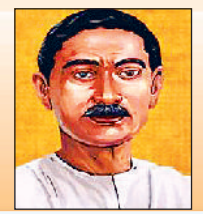

हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती, इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरुष होना डरा रहा था।

कहानी

वंदना यादव

मीडिल मैन

वह सर्दियों की रात थी। मोबाइल में दिख रहे समय के अनुसार वक़्त देर शाम से आगे बढ़ कर पहले पहर की रात में ढल चुका था। मैं घर पहुंचने की बेचैनी में बार-बार समय देख रही थी। पन्द्रह मिनट पहले घड़ी में दस बज गए थे। समय अब भी लगातार आगे बढ़ता जा रहा था। महानगर की रोशनियों से ज़रा दूर होते ही डरावने अंधेरे घेरने लगते हैं। उस दिन अंधेरा पूरी दहशत के साथ मेरे आस-पास फैलता हुआ महसूस हुआ। रात साढ़े दस बजे के करीब मैं अपनी नियमित दिनचर्या से तीन की घंटे की देरी से मेट्रो से उतरी। गहराते कोहरे में सब सवारियों में अकेली महिला होने के कारण मैं कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास दिखा रही थी।

मेरे आगे-पीछे वाले मेट्रो के किसी कोच से एक बेफिक्र सा युवा भी उतरा। हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। उस समय मंज़र कुछ अलग तरह का था। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरूष होना डरा रहा था। सर्दी पूरे चरम पर थी इसीलिए इस समय वहां कोई ऑटो नहीं था। मेट्रो स्टेशन के बाहर मौजूद सभी पांच लोगों ने एक-दो बार संशय भरी नज़रों से एक-दूसरे को देखा। इसी दौरान वह बेफिक्र सा युवा अचानक मेरे पास आ कर खड़ा हो गया। बिना कुछ बोले, वह मेरे साथ खड़ा रहा। कानों पर मोटे हैडफोन के आकार का ठंडक से बचने का इंतजाम लगाए वह कोई गीत गुनगुना रहा था। उसके गीत की धुन इससे पहले मैंने कभी नहीं सुनी थी।

सब सवारियां किसी वाहन का इंतज़ार कर रही थी कि उसी समय दूर से एक ऑटो रिक्शा की आवाज़ अपनी ओर आती सुनाई दी। कुछ ही पलों में कोहरे के बीच से एक मद्दम से जलते बल्ब को अपनी ओर आते हुए पाया। ऑटो ठीक से रुका भी नहीं था कि छः लोगों की सवारी में चार लोग हड़बड़ी के साथ चढ़े, मानो देरी होने पर सीट नहीं मिलेगी। ऑटो रिक्शा के रुकने पर जब मैं बैठने लगी, 'प्लीज सिट' उस बेफिक्र से युवा ने अपने साथ वाली सीट की ओर संकेत करते हुए कहा। पैंतालीस वर्षों से यहां रहते हुए मैं इस शहर को कुछ-कुछ समझने लगी हूं। कैंडल मार्च करने वाला यह शहर अपने आसपास की महिलाओं की सुरक्षा से बेपरवाह रहता है। उस दिन भी यही हुआ।

दो सवारियों को उतारने के बाद उसी दिशा में मेरा घर था, मगर एक प्रोढ़ उम्र वाले साथी सवार ने चालक को बाध्य कर दिया दूसरी दिशा के अपने पते पर चलने के लिए। कहने-सुनने का कोई अर्थ नहीं था, इसीलिए मैं चुप रही। इसके बावजूद मेरे चेहरे पर परेशानी फैल गई। मेरी विवशता देख उस बेफिक्र युवा की आंखों में फिक्र के बादल उमड़ आए।

'मैम, आपको एड्रस पर ड्रॉप करके घर जाएंगे।' अनायास ही उसने कहा।

'मैं अपने आप चली जाऊंगी। आप अपना एड्रेस बता दो, जिसका घर पहले आएगा, रिक्शा उधर ही पहले जाएगा।'

'मैम, आप मेरा मम्मा जैसा हैं। मैं ऐसा रात में मेरी मम्मा को अकेला नहीं छोड़ेंगे।' इस बार मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा, वह भारतीय नहीं था।

'तुम कहां से हो?'

'म्यांमार से मैम।'

'यहां कैसे आए?'

'काम से मैम।' उसके बोलने से लगा कि वह कहना चाहता था, मेरी उम्र से अंदाज़ लगा लो, यह काम करने की उम्र है, वही करने आया हूं।

'क्या करते हो?'

'अबी काम सीख रहा हे।' सड़क पर आती-जाती स्ट्रीट लाइट की रोशनी में मैंने उसकी आंखें देखीं, छोटी-छोटी सी, मगर ज़िंदगी से लबरेज़ आंखें।

'मेरा अंकल एडमिट हे यहां के हॉस्पिटल में।' उसने बताया।

'क्या हुआ उन्हें?'

'हार्ट का प्रोब्लम हे मैम। सर्जरी करना हे। ट्रांसप्लांट करेगा दोक्तर।' भाषाई भेद के बावजूद वह सही तरह से अपनी बात समझाना सीख गया था।

'कौन से हॉस्पिटल में हैं?' उसने जो नाम बताया उससे मेरी उत्सुकता बढ़ गई।

'तुम म्यांमार से सीधे यहां कैसे पहुंचे? इंटरनेट पर सर्च किया था, इस हॉस्पिटल के बारे में या किसी ने यहां भेजा है?' मैंने फिर सवाल किया।

'यस मैम, मेरा कंट्री से सब इंडिया आते हें इलाज के लिए।'

'क्या तुम्हें मेडिकल टूरिज्म के बारे में मालूम है?'

'यस।' उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया।

'तुम्हें पक्का पता है ना कि तुम्हारे अंकल को इसी इलाज की ज़रूरत है, कहीं दोनों देशों के लोग मिलकर तुम्हें बेवकूफ ना बना रहे हों।'

'अमारे कंट्री में पहले चेक करते हे। वो रेफर करता हे, तब इंडिया आते हे।' उसने अपनी ओर से स्थिति की तस्वीर खींची। रिक्शा इस समय भी मेरे घर की विपरीत दिशा में दौड़ रहा था।

'मैम, आप कोई जॉब करते हे?' यह पूछते हुए उसकी आवाज़ में झिझक नहीं थी।

'क्यों?' महानगरीय लोग सामने घटित हो रही घटना को नज़र अंदाज़ करने और सवाल के बदले सवाल पूछने के आदी होते हैं। अब मैं भी महानगर हो गई हूं, सो बिना जांच पड़ताल किए, कुछ भी कैसे बता देती!

'आपको पहले नहीं देका। मे इसी टाइम पर आता हे कई बार।' उसने घड़ी देखते हुए कहा।

'तुम कब से हो यहां?'

'छे महीना से।'

'सर्जरी हो गई तुम्हारे अंकल की?'

'हो गए।'

'तुम वापस कब जाओगे?' इस बार ऑटो मेरे घर की दिशा में जा रहा था।

'मेरा एक ओर अंकल का सर्जरी होने हे। ये लोग रिटर्न जा रहे हे, मैं यहीं रहेगा।'

'ये तुम्हारे अंकल हैं या तुम यही बिजनेस करते हो?' इस बार का वार, लुहार के हथौड़े वाला था।

'ये अंकल हे, पर अब में यही रहेगा और काम सीकेगा।'

'क्या काम सीखने वाले हो?' मैंने पूछा।

'मिडिल मैन! में मिडिल मैन बनेगा।' उसने पूरे यक़ीन के साथ कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा, मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'यह मीडिल मैन क्या होता है?'

'देको, अमरे मीडिल मैन और आपके देश वाले मीडिल मैन ने अमको ऑप्शन दिया कि इस ट्रीटमेंट के लिए इंडिया के कौनसे हॉस्पिटल में ईलाज करवाना हें। एक्चूली बताया कि ये वाले हॉस्पिटल टीक हे, तो अम यहां आया।' उसने मुझे समझाया।

'इसमें तुम क्या सीखोगे?'

'मैम, मेरे कंट्री का मैं सब कुच जानते हे। यहां रह कर आपके देश का सीक रहा हे। थोडा टाइम में देकना मैम, में सब सीक जाएगा... खूब रूपीज़ कमाएगा मैम। बैक होम, फेमली को भेजेगा वो सारे रूपीज़।'

'कितने लोगों का इलाज़ करवाओगे तुम?'

'मैम, मरना कोन चाहते हे? सब जानते हे कि मरना हे, फिर भी मरना नही चाहते।' यह कहकर वह ठट्ठा कर हंसा और देर तक हंसता रहा।

'मैम, ओल्ड मैन भी लोन पर रूपीज़ ले कर इलाज करवाने दौड़ते हे... कहीं भी दौड़ते हे। अमारा लोग इंडिया आते हे। में लाएगा उनको इंडिया। में मिडिल मैन बनेगा।'

'मीडिल मैन क्या होते हे?' मैंने पूछा।

'मेडीकल डीलर, में वही बनेगा।' उसने कहा।

'तुम्हारी फेमिली में कौन-कौन हैं, रुपये किसे भेजोगे?'

'मेरे पेरेंट्स हे मैम। अमारा फार्मिंग का लैंड हे जेसे आपके देश में खेती ओता हे, वहां भी ओता हे।'

'बस...बस, रिक्शा रोको, यही है मेरा घर।'

'मैम, प्रोबलम नई हे तो अपना नंबर शेयर करेंगे?' उसने कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'मैम, में कॉल कर रहा हूं, आप प्लीज फोन उठाएं।' संदेश करने वाले की तस्वीर पहचानी सी लगी, परन्तु नाम याद नहीं आ रहा था।

'हैलो मैम, मैं अली बोल रहा हे म्यांमार से।' बस इतना ही परिचय चाहिए था। मुझे सर्द रात में फ़रिश्ते सा वह युवा याद आ गया।

'हैलो अली, कहां हो आजकल?'

'मैम, मेरा मदर एक्सपायर हो गया था, तब मैं अपने घर आया था फिर यह सब हो गया, फ्लाइट बंद हो गया। अब मेरे फादर भी नहीं रहा मैम।'

'ओह, जानकर बहुत दुख हुआ बेटा।' इस बार भी बेटा संबोधन अंतर्मन से निकला था।

'मैम, जल्दी ये सब ठीक होने वाला है। फ्लाइट शुरू होते ही मे इंडिया आ जाउंगा। अब उतने पैसे की जरूरत नहीं है। यहां कोई नहीं बचा मेरा। मैम, मेरा मम्मा नहीं रहा, मे एक बार आपसे मिलना चाहता हे, आ जाऊं मैम?'

'हां, बेटा, हालात ठीक हो जाते हैं तब आना।' बात ख़त्म हो गई थी। चिपचिपा मौसम एकाएक बदल गया... हर ओर ठंडी हवा बहने लगी।

लघुकथा डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पापिन

गंगा की पावन जलधार में डुबकी लगाई और ईश्वर का ध्यान किया। कुछ क्षण आंखें बंद किए उसे पुकारता रहा। डुबकी फिर लगाई। एक नहीं...कई डुबकियां एक साथ लगाई। फिर घाट की पौड़ी पर पांव रखा ही था कि सामने कावेरी को देख दंग रह गया।

वह शायद अपने पाप धोने आई थी। अंतस् में विचार जागने लगा।

मुझे देख ठगी-सी खड़ी रह गई वह और आंखों से अश्रुधारा फूट पड़ी। फिर मेरी आंखों में झांकती हुई धीरे से आगे बढ़ी और पैरों में गिरकर बिलख पड़ी। मैं अचेत-सा उसे देखता रहा।

चेतना जागी तो कह बैठा- 'मुझे छोड़कर गई, सहन हुआ। पर तुमने तो ममत्व का भी गला घोंट दिया। अपने ही दुधमुंहे बच्चे को छोड़कर चली गई?'

'मैं आप दोनों की अपराधी हूं, पापिन हूं।' नजरें कभी उठती, कभी गिरती रही।

'जिसके लिए हमें छोड़कर गई थी, वह साथ नहीं है क्या? उसे तो तुम्हारे साथ होना चाहिए था?'

'नहीं...।' और रुदन काँपने लगा।

'नहीं क्यों..?'

'उसे मेरी देह चाहिए थी, मैं नहीं।...देह मिली तो वह चला गया।' बहती अश्रुधार से उसकी आंखें मिच-मिचाने लगी थीं।

गजल सत्यप्रकाश बलेवा

मानवता लाचार है

शक्तियों का हो रहा प्रचण्ड रोज प्रहार है,
हर तरफ चीख-पुकार और हाहाकार है।
थर्रा उठे शहर-महल वहां रातों-रात में,
शक्तियों के युद्ध में मानवता लाचार है।
शांति के दूत बने खाते हैं नित मौत को,
जगह-जगह लगा हुआ गोलों का अंबार है।
धधक रहा आसमान मौत की बारिश बने,
सनक शासक की उठे मार-अत्याचार है।
चारों तरफ हो रहा मौत का तांडव जहां,
मानव की बेबसी पर रो रहा संसार है।
भागती जिन्दगियां लील लेगा अब कभी,
क्रूर शासक कर रहे मौत का व्यापार है।
स्वार्थ अपने सिद्ध कर दादागिरी का सार है,
विश्व की संस्थाएं मौन-चुप लाचार है।

कविता नवीन फरमाणियां

सरकार के आगे

सभी हैं मौन, सरकार के आगे
फिर बोले कौन, सरकार के आगे...
हो गया कानून अंधा, नहीं दिखता चेहरा
बन बैठा लोकतंत्र बहरा, सरकार के आगे ...
हो गए कैद क़फस में हम
अधिकार जो मांगे, सरकार के आगे...
महंगाई ने कर रखा गरीबों का हाल बेहाल
कौन करे सवाल, सरकार के आगे...
डंडों से देंगे मार, जाएंगे गैस के गोले दागे
जो मांगे रोजगार, सरकार के आगे...
राम राज्य में सुरक्षित नहीं, सीता जो
कौन दिलाएं न्याय रेप पीड़िता को, सरकार के आगे...
अमीर होता तो न्याय मिल जाता
गरीब खड़ा हाथ जोड़, सरकार के आगे...
कलम पर भी बरसा प्रकोप बनकर काल
नवीन तेरी क्या मजाल, सरकार के आगे।

जिंदा लोगों का मोहल्ला

जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ -सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे।

व्यंग्य

सुनील साहिल

आज मोहल्ले के निवासियों की सभा हुई जिसमें तय हुआ कि मोहल्ले के जिंदा लोगों को चिन्हित किया जाएगा, लेकिन साथ ही यह आशंका भी जाहिर की गई कि जिंदा लोगों की पहचान कैसे की जाए?

मोहल्ले के सबसे बुद्धिजीवी व्यक्ति ने एक सर्वश्रेष्ठ सुझाव दिया कि सबसे पहले यह देखा जाएगा कि जिंदा आदमी सांस ले रहा है। साथ में जिंदा आदमी की पहचान यह भी तय की जाए कि वह जमीन पर चलता हो और यदि जिंदा आदमी देख भी सकता है तो यह उसकी अतिरिक्त योग्यता होगी। एक मरे हुए जिंदा आदमी ने कहा कि मोहल्ला स्तर की 'जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता' का आयोजन हो और समारोह स्थल स्थानीय कब्रिस्तान का बाग हो क्योंकि वहां ऑडियंस के रूप में मुर्दे तो पहले से ही मौजूद हैं। इसके लिए आनन-फानन में एक समिति का गठन किया गया। सुझाव क्योंकि एक मरे हुए जिंदा आदमी ने दिया था तो सब निवासियों ने गाल बजाकर इसका स्वागत किया। जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

कुछ अतिरिक्त चतुर युवा प्रतियोगी 'जिंदगी जिंदादिली का नाम है मुरदे क्या खाक जिया करते हैं' जैसी कविताएं रटने लगे। लड़कियां 'जिंदा हूं मैं' जैसे सिनेमाई नगमे याद करने लगी। मानों मोहल्ला फिर से जी उठा। चारों तरफ जिंदगी का माहौल था। आखिरकार प्रतियोगिता का दिन आ ही गया। मुख्य अतिथि स्थानीय नेता श्री मरे प्रसाद 'जीवित' जी थे जो कि अपने समय के महान स्वघोषित जिंदा थे। उन्हें 'जिंदा विभूषण' जैसा राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। जिंदा लोगों की इस खोज प्रतियोगिता में सबसे पहले मोहल्ले के निवासियों को भागकर दिखाना था। बिगुल बजते ही सब भागने लगे और कुछ निवासी ऐसे पीठ दिखाकर भागे कि लौटकर कर ही नहीं आए। इसका अर्थ ये निकाला गया कि वे जिंदा नहीं थे, बस अपने कंधों पर अपनी लाश ढो रहे थे और इस अवगुण के चलते वे सब प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

एकाएक मोहल्ले के साहित्यकार समवेत स्वर में चिल्लाने लगे 'हिंदी हमारी मां है, हिंदी हमारी मां है' क्योंकि उन्होंने कहीं से सुन लिया था कि जिसे निज भाषा पर अभिमान नहीं, वह पुरुष मृत समान है। जिंदा दिखने का यह उनका अनूठा प्रयास था। दूसरे राउंड में नेताजी मोहल्ले की एक औरत को पीटने लगे जिसे मोहल्ला निवासी मनोरंजन की दृष्टि से देख रहे थे। यही उनकी परीक्षा की घड़ी थी, जिसे निर्णायकों ने अपनी सूक्ष्म दृष्टि से जांचा। जिस-जिस ने ताली बजाई और उछल कूद की, उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया और जिस-जिस ने नेताजी को पकड़कर कूटा, उन्हें अलग से खड़ा कर दिया गया। वे सेमी फाइनल में प्रवेश कर चुके थे। इससे अगले राउंड में प्रतिभागियों को नेताजी की महिमा में चार पंक्तियां लिखनी थी। जिस-जिस ने भी लिख दी, वे भी प्रतियोगिता से बाहर कर दिए गए। चापलूसी, चाटुकारिता और चमचागिरी जिंदा आदमी के लिए विष के समान समझी गई। मोहल्ला अभी भी आशावादी था कि उनके बीच कुछ जिंदा लोग तो जरूर पाए जाएंगे। सो प्रतियोगिता जारी रही- लोगों का चलना देखा गया, उनका सांस लेना देखा गया, उनका पानी पीना, उनका हंसना-रोना देखा गया, लेकिन मोहल्ले को फिर भी एक संपूर्ण जिंदा आदमी नहीं मिला। जो मुर्दनी उस मोहल्ले में सदियों से थी, वह और छा गई। रुदालियां रोने की तैयारियां करने लगी। शहनाई वादक को खबर कर दी गई। सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे। यह खूनी उत्सव पूरी रात चलता रहा। सुबह हुई तो देखा कि वह एकमात्र जिंदा आदमी भी मर चुका था।

संवेदनाओं का पारदर्शी दर्पण है काव्य संग्रह 'अभिव्यक्ति'

पुस्तक : अभिव्यक्ति
कवयित्री : डॉ. पूनम भारद्वाज
मूल्य : 240 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेन्द्र कुमार

साहित्य की अविरल धारा में कविता वह दर्पण है, जिसमें समाज अपनी संवेदनाओं, संघर्षों और स्वप्नों का चेहरा देखता है। आधुनिक हिंदी साहित्य के परिदृश्य में डॉ. पूनम भारद्वाज का काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' एक ऐसी ही सशक्त उपस्थिति है, जो अपनी वैचारिक गहराई और भावपूर्ण प्रस्तुति से पाठक के हृदय पर अमिट छाप छोड़ने में समर्थ है। यह कृति केवल शब्दों का विन्यास नहीं, बल्कि एक स्त्री के अंतर्मन की गूंज, सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का एक गंभीर प्रयास है।

डॉ. भारद्वाज की कविताएं जीवन के उस यथार्थ से रूबरू कराती हैं, जिसे हम अकसर अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में अनदेखा कर देते हैं। उनकी शैली में जहां एक ओर कोमलता है, वहीं दूसरी ओर ज्वलंत मुद्दों पर एक निर्भीक स्पष्टता भी दिखाई देती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुआयामी प्रकृति है। कवयित्री ने प्रेम, प्रकृति, आध्यात्मिकता और स्त्री-विमर्श जैसे विषयों को बहुत ही सूक्ष्मता से अपनी लेखनी में पिरोया है। उनकी कविताओं में एक प्रवाह है, जो पाठक को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। 'अभिव्यक्ति' की पंक्तियों में छिपी गहरी दार्शनिकता पाठक को आत्मचिंतन के लिए विवश करती है। संग्रह का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष स्त्री-चेतना और उसकी अस्मिता का प्रश्न है। कवयित्री ने अपनी कविताओं के माध्यम से स्त्री के अंतर्द्वंद्व और उसकी शक्ति को बहुत ही प्रभावी ढंग से मुखर किया है। वे स्त्री को केवल त्याग की मूर्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि एक स्वाभिमानी और स्वतंत्र चेतना के रूप में प्रतिष्ठित करती हैं। आध्यात्मिक स्तर पर भी यह संग्रह काफी समृद्ध है। भक्ति और आस्था उनके काव्य में अंधविश्वास के रूप में नहीं, बल्कि एक आंतरिक शक्ति के रूप में प्रवाहित होती है। वे ईश्वर को मंदिर या मस्जिदों के बजाय मनुष्य के भीतर और उसकी सेवा में खोजने का संदेश देती हैं। उनकी आध्यात्मिक चेतना लोक-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत है। काव्य-शिल्प की दृष्टि से देखें तो 'अभिव्यक्ति' की भाषा सरल, सहज और प्रवाहमयी है। क्लिष्ट शब्दों के बजाय उन्होंने ऐसे शब्दों का चयन किया है जो सीधे पाठक के संवाद स्थापित करते हैं। उपमाओं और प्रतीकों का प्रयोग बहुत ही सटीक और प्रभावशाली ढंग से किया गया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि डॉ. पूनम भारद्वाज ने इस संग्रह के माध्यम से हिंदी कविता की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया है। 'अभिव्यक्ति' नाम सार्थक सिद्ध होता है क्योंकि यह केवल कवयित्री की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की आवाज़ बन जाती है जो जीवन को गहराई से महसूस करता है। इस संग्रह की एक और कविता की ये पंक्तियां मन को गहराई तक छू जाती हैं :

'रिश्तों की डोर बड़ी कच्ची है,पर विश्वास की नींव अगर सच्ची है,
तो तूफानों में भी दीये जलेंगे, क्योंकि नियत हमारी अच्छी है।'

अंततः, डॉ. पूनम भारद्वाज का यह काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' हिंदी साहित्य की एक अनमोल निधि है। यह पुस्तक उन सभी के लिए पठनीय है जो कविता में सत्य, शिव और सुंदर की खोज करते हैं। यह संग्रह हमें यह विश्वास दिलाता है कि जब तक शब्द जीवित हैं और कवियों की लेखनी सक्रिय है, तब तक मानवीय संवेदनाओं का दीप प्रज्ज्वलित रहेगा। डॉ. भारद्वाज की यह कृति न केवल उनके काव्य-कौशल का प्रमाण है, बल्कि उनके संवेदनशील व्यक्तित्व का प्रतिबिंब भी है। यह काव्य-यात्रा पाठकों के मन में एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करती है, जो साहित्य की वास्तविक सार्थकता है।

खबर संक्षेप

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान योग करते हुए।

महिला पतंजलि समिति ने मनाया महिला दिवस

सोनीपत। पार्वती गार्डन, बैयांपुर परिसर में महिला पतंजलि योग समिति सोनीपत द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर यज्ञ प्रभारी बहन सुमित्रा ने हवन कराया। महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी सीमा सरोहा ने हवन की महता को बताते हुए कहा कि हवन से वातावरण की शुद्धि के साथ उससे उत्पन्न सूक्ष्म कणों से सभी लाभान्वित होते हैं। उन्होंने कहा कि 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन विश्व स्तर पर किया जाता है और इस दिन समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में महिलाओं की सहभागिता को याद किया जाता है। आज महिलाओं का योगदान शिक्षा, खेल, बैंकिंग, सेना कॉर्पोरेट आदि क्षेत्र में हर जगह उल्लेखनीय भूमिका मैं नजर आता है। इस अवसर पर मुख्य योग शिक्षक सूरजपाल रामकिशन, सुधीर ने महिला दिवस के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऋग्वेद पारायण यज्ञ और प्रवचनों का आयोजन

सेक्टर 23 में बड़ी संख्या में श्रद्धालु हो रहे शामिल, बन रहा भक्ति का माहौल

कार्यक्रम प्रात: 7 से 10 बजे तक तथा सायं 3 से 6 बजे तक आयोजित होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

वेद प्रचार समिति सोनीपत के तत्वावधान में सेक्टर 23 पुलिस चौकी के सामने 7 मार्च से 12 मार्च तक ऋग्वेद पारायण यज्ञ और वैदिक प्रवचनों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक तथा सायं 3 बजे से 6 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। यज्ञ के ब्रह्मा प्रसिद्ध वैदिक विद्वान आचार्य वरुण हैं, जबकि आर्य भजनोपदेशक सहदेव बेधड़क वैदिक भजनों का गायन और उपदेश कर रहे हैं। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे, युवा और बुजुर्ग श्रद्धापूर्वक यज्ञ में भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान वातावरण वैदिक मंत्रों और भजनों से भक्तिमय बना हुआ है। इस अवसर पर डाक्टर धर्मवीर मलिक ने भी उपस्थित होकर यज्ञ में आहुति दी और आयोजनकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। यज्ञ में विशेष रूप से धर्मपाल मलिक आयोजनकर्ता, राजबीर मलिक, जयकिशन कुंडू व्यवस्थापक, उमेद सिंह दहिया, सतबीर सिंह धनखड़, अशोक राठी, सुरेंद्र, जयपाल गहलावत, प्रेम सिंह, जोगेंद्र, कपूर सिंह शास्त्री, यशपाल शास्त्री, बहन कृष्णा आर्या, पूजा आर्या, इंद्रावती आर्या, रतन माला और सुशीला आर्या सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित आर्य विद्वान एवं अन्य।

श्रीमद्भागवत कथा में ध्रुव और प्रह्लाद चरित्र का वर्णन

सोनीपत। श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर श्रद्धालु भक्ति रस में सरोबार हो गए और दिव्य अमृतमयी वाणी का आनंद लिया। कथा वाचन करते हुए भक्ति प्रसाद विष्णु गोस्वामी महाराज ने ध्रुव चरित्र, प्रह्लाद चरित्र तथा भगवान वामन अवतार की पावन कथा का विस्तार से वर्णन किया। महाराज ने बताया कि ध्रुव और प्रह्लाद की अटूट भक्ति आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से की गई भक्ति से भगवान अवश्य प्रसन्न होते हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते हैं। वामन अवतार की कथा के माध्यम से उन्होंने समझाया कि जब भक्त सच्चे हृदय से भगवान का आश्रय लेता है, तब प्रभु स्वयं उसकी रक्षा करते हैं और उसे मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस अवसर पर श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल सोनीपत की टीम ने सेवाओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुगण।

श्री सुंदरकांड पाठ और रामकथा का आयोजन

सोनीपत। श्री राम परिवार सोनीपत की ओर से शिव मंदिर, शनि मंदिर रोड पर श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन और श्री रामकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुकेश आनंद द्वारा कराया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया। संस्था प्रमुख ओमप्रकाश अरोड़ा ने श्रीरामचरितमानस के बालकांड में वर्णित सीता स्वयंवर प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि राजा जनक ने भगवान शिव के पिनाक धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाने की शर्त रखी थी। देश-विदेश के कई बलशाली राजा और रावण जैसे योद्धा भी धनुष को हिला तक नहीं सके। गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से श्रीराम ने धनुष को प्रणाम कर सहजता से उठाया और प्रत्यंचा चढ़ाते ही वह टूट गया। इसके बाद सीता ने श्रीराम के गले में वरमाला डालकर उन्हें पति रूप में स्वीकार किया। कार्यक्रम में पवन सहगल, श्याम रहेजा, सूरजकांत, राकेश बहल, मनु नारंग, महेश पांडे, दिनेश, महेश, रमनकांत, अश्विनी, मेहर चंद, वेद नासा, धीरज, मनोज और भूषण सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

सोनीपत। करियर काउंसलिंग के दौरान युवाओं को जानकारी देते हुए।

छात्रों को सही दिशा देने के लिए करियर काउंसलिंग

सोनीपत। समाज के युवाओं को सही दिशा देने और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से दी महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति सोनीपत द्वारा अग्रसेन भवन, सोनीपत में प्रत्येक रविवार की तरह इस सप्ताह भी विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए एक विशेष करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। समिति के वरिष्ठ उपप्रधान एवं मीडिया प्रभारी संजय सिंगला ने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में सही समय पर सही मार्गदर्शन मिलना विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए समिति लगातार ऐसे मार्गदर्शन सत्र आयोजित कर रही है, ताकि युवा पीढ़ी अपने सपनों को सही दिशा में आगे बढ़ा सके।

इशिता शर्मा की उपलब्धि एक गर्व का विषय : रजनी

गोहाना। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ऑल इंडिया सिविल सर्विस की परीक्षा में 268वीं रैंक प्राप्त सेक्टर-7 निवासी इशिता शर्मा को रविवार को नप उनके घर पहुंचकर सम्मानित किया। नगर परिषद गोहाना की चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने कहा कि इशिता शर्मा ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य करते हुए भी अपने लक्ष्य को नहीं छोड़ा। इशिता ने निरंतर मेहनत व दृढ़ संकल्प के बल पर तीसरे प्रयास में यूपीएससी की ऑल इंडिया सिविल सर्विस की परीक्षा में 268वीं रैंक प्राप्त कर पूरे देश में गोहाना का नाम रोशन किया। उनकी यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे गोहाना और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है तथा युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। रजनी विरमानी ने कहा कि इशिता शर्मा की यह सफलता यह सिद्ध करती है कि मेहनत, लगन और समर्पण से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

विधायक ने किया दो विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, आगे भी विकास का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

विधायक पवन खरखौदा ने क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें सिसाना - 1 पंचायत के अधीन आने वाली पेयजल सप्लाई परियोजना और पीपली गांव में बने कम्युनिटी सेंटर का उद्घाटन शामिल है।

पहली परियोजना के तहत सिसाना 1 पंचायत क्षेत्र में करीब 1.86 करोड़ रुपये की लागत से डाली गई पेयजल लाइन का शुभारंभ किया गया। इस योजना के तहत लगभग तीन किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बिछाई गई है, जिससे ग्रामवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इस मौके पर विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है और इस दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। दूसरी ओर, पीपली गांव में दादा हनुवंत के नाम से बनाए गए कम्युनिटी सेंटर का भी उद्घाटन किया गया। विधायक ने कहा कि हनुमत दास ने हमेशा समाज को जोड़ने और सर्व समाज की भलाई के लिए कार्य किया। गांववासियों द्वारा उनके नाम पर बनाया गया यह कम्युनिटी सेंटर समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने पंचायत से अपील की कि कम्युनिटी सेंटर के आसपास पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाई जाए और इसे सुंदर व उपयोगी बनाया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इसे याद रखें। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष नरेश पाराशर, महिला सरपंच सोनिया गौड़ के पति सुनील कुमार, सिसाना सरपंच सुदेश देवी, पीपली से महावीर सिंह आदि रहे।

खरखौदा। फीता काटकर परियोजना उद्घाटन करते विधायक पवन।

खरखौदा। जिलाध्यक्ष प्रवीण दहिया को बुक्का भेंट करते मिथुन तिवारी।

खरखौदा के मिथुन तिवारी बने जिला उपाध्यक्ष

खरखौदा। भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में कदम बढ़ाते हुए खरखौदा निवासी मिथुन तिवारी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति जिला स्तर पर जनसंपर्क गतिविधियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई है। युवा मोर्चा जिलाअध्यक्ष पर प्रवीण दहिया द्वारा मिथुन तिवारी को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि यह निर्णय प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली और जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज से विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि मिथुन तिवारी पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएंगे। पदभार ग्रहण करने के उपरांत मिथुन तिवारी ने संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास जिला स्तर पर पार्टी की गतिविधियों, कार्यक्रमों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता और विशेष रूप से युवाओं तक समय पर पहुंचाना है। उन्होंने आभार जताते हुए विश्वास दिलाया कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

भूतपूर्व सैनिक संगठन की बैठक में बाइपास सैनिक भवन व सम्मान भत्ता देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भूतपूर्व सैनिक संगठन की मासिक बैठक रविवार को केडी नगर स्थित कार्यालय में प्रधान नायब सूबेदार ओमप्रकाश मलिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन कैप्टन सतबीर सिंह दहिया ने किया। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर यशपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि डा. सतवीर सिंह सहरावत भी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन ने सरकार से गन्नौर शहर में बढ़ते जाम से राहत दिलाने के लिए बाईपास सड़क का निर्माण करवाने की मांग उठाई। साथ ही राजलू गढ़ी स्कूल को केंद्रीय विद्यालय का दर्जा देने की मांग की, ताकि भूतपूर्व सैनिकों व वर्तमान सैनिकों के बच्चों को बेहतर शिक्षा सुविधा मिल सके। संगठन ने कच्ची कॉलोनियों को पक्का करने, गली व सीवर की व्यवस्था कराने और गन्नौर में वेटरन के लिए सैनिक भवन बनाने की मांग भी उठाई। वेटरन ने कहा कि वे हाउस टैक्स भर रहे हैं, लेकिन उन्हें सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। संगठन ने मांग की कि 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को हरियाणा सरकार द्वारा मिलने वाला सम्मान भत्ता बिना भेदभाव के दिया जाए। संगठन का प्रतिनिधिमंडल 11 मार्च को जीओसी पीएच एंड एचपी एरिया से मिलकर गन्नौर में सीएसडी कैंटीन खोलने के मुद्दे पर चर्चा करेगा। बैठक में नवीन प्रताप त्यागी, पीओ रतन मलिक, रिछपाल, पीओ आनंद, सूबेदार कृष्ण और नायक वेद आदि मौजूद रहे।

गन्नौर। बैठक में उपस्थित भूतपूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारी।

खरखौदा। लेफ्टिनेंट गौरव को सम्मानित करते विधायक पवन खरखौदा।

लेफ्टिनेंट गौरव दहिया का पैतृक गांव थाना कलां में किया गया भव्य स्वागत

खरखौदा। उपमंडल के गांव थाना कलां से संबंधित गौरव दहिया का लेफ्टिनेंट बनने के बाद गांव में पहुंचने पर ग्रामवासियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में पहुंचे विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने के लिए मेहनत की जाती है तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। शिक्षा ही वह माध्यम है, जो सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत उसे पहचान कर निखारने की है। गौरव दहिया ने लेफ्टिनेंट बनकर इसे साबित कर दिखाया है। लेफ्टिनेंट गौरव दहिया के पिता वेद प्रकाश ने बताया कि उसने बचपन से ही देश की सेवा का सपना संजोया था। जिसे पूरा करने के लिए स्पोर्ट्स स्कूल राई में एडमिशन लिया था। वहीं से उसने अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त की। एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात ट्रेनिंग ऑफिसर ट्रेनिंग अकैडमी चेन्नई से सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। ज्ञात रहे कि गौरव पहले प्रयास में एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सका था। इसके बावजूद उसने हिम्मत नहीं छोड़ी और दूसरी बार फिर परीक्षा दी और सफलता अर्जित की।

सहकार को हर घर से जोड़ने की मुहिम जल्द शुरू : शर्मा

- स्वयं सहायता समूह अपना दायरा बढ़ाएं, महिलाओं को अपने साथ जोड़ें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि देश में सहकार परिवारों की खुशहाली और नारी सशक्तिकरण का बड़ा माध्यम बनेगा। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश के 140 करोड़ नागरिकों को सहकारिता क्षेत्र से जोडने का जो संकल्प लिया है, हरियाणा उस दिशा में हर घर को सहकार से जोडने की मुहिम शुरू करेगा और इसकी शुरुआत गोहाना से होगी। सरकार की यह पहल नारी, परिवार और देश को सशक्त बनाएगी। रविवार को सहकारिता विभाग के हरकोफैड द्वारा गढ़ी उजाले खां के शिव मंदिर परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा व उनकी धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने शिरकत की। हरकोफेड के प्रचार अधिकारी सौरव अत्री, सहायक रजिस्ट्रार प्रशांत कौशिक एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। सहकारी संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी अवलोकन उपरांत सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सीएम पैक्सों, पैक्सों, स्वयं सहायता समूहों, संगठन पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत नारी सशक्तिकरण की दिशा में पूरी दुनिया के सामने मिसाल पेश कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी विचार है कि हर घर सहकारिता से जुड़े, ताकि सहकारिता के माध्यम से गांव-गांव में समृद्धि और विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके। गोहाना क्षेत्र में इस पायलेट प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। डॉ. रीटा शर्मा ने कहा कि आज महिलाएं जागरूक हो रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। इस अवसर चीनी मिल आहुलाना की एमडी अंकिता वर्मा, कृष्ण सैनी, डॉ. किरण कलकल, रीना शर्मा, पार्षद अंजू कालड़ा व पार्षद बबली उपस्थित रहे।

गोहाना। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और डॉ. रीटा शर्मा के साथ संगठनों के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

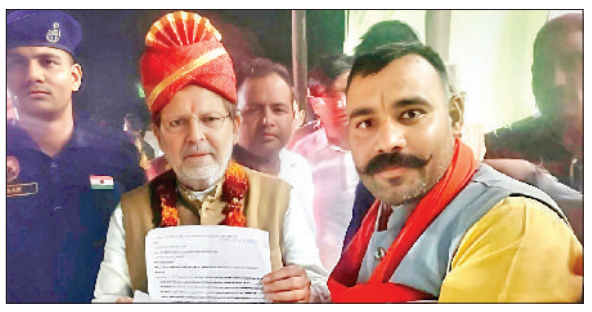

सोनीपत। मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के लिए बस सेवा शुरू करने की मांग

सोनीपत। छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रक्षक सेना प्रमुख मनजीत तिहाड़ा ने गांव लाठ में हरियाणा सरकार में सहकारिता, पर्यटन और पुरातत्व विभाग के मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा से मुलाकात कर बस सेवा शुरू कराने की मांग की। उन्होंने इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा। मनजीत तिहाड़ा ने बताया कि राजकीय कन्या वरिष्ठ विद्यालय तिहाड़-बाघडू में डेरा पूरबिया और बाघडू गांव से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पढ़ने आते हैं। इन गांवों से स्कूल की दूरी करीब तीन से पांच किलोमीटर है और अधिकतर रास्ता सुनसान व खेतों के बीच से होकर गुजरता है। ऐसे में विद्यार्थियों को समय पर स्कूल पहुंचने के लिए पैदल ही इन रास्तों से आना-जाना पड़ता है, जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती है।

गोहाना। कार्यक्रम में भाग लिए हुए भाजपा नेता और कार्यकर्ता।

संगठन की मजबूती राष्ट्र सेवा का आधार : प्रदीप सांगवान

गोहाना। रविवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान: 2026 के अंतर्गत मुंडलाना मंडल में दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हो गया। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया। बरोदा हलका से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के जिला गोहाना के संयोजक प्रदीप सांगवान ने कार्यकर्ताओं के साथ संगठन की विचारधारा एवं कार्यपद्धति पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन की मजबूती राष्ट्र सेवा का आधार है। उनके अनुसार भाजपा द्वारा कार्यकर्ताओं की वैचारिक स्पष्टता, सांगठनिक सुदृढ़ता और क्षमताओं को निखारने के लिए यह एक देशव्यापी महाअभियान है। इसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं को अंत्योदय, राष्ट्रवाद और मोदी-योगी सरकारों की जन-कल्याणकारी नीतियों से प्रशिक्षित करना है। इस अवसर पर जिला महामंत्री महेंद्र चिड़ाना, पूर्व जिला महामंत्री परमवीर सैनी और डॉ. ओम प्रकाश शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा की संगठनात्मक बैठक में कार्यकर्ताओं को दिए जरूरी निर्देश

सोनीपत। जिला कार्यालय स्वर्णकमल में भारतीय जनता युवा मोर्चा की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रवीन दहिया ने की। इस अवसर पर जिला महामंत्री सुमित अंतिल मेहंदीपुर सहित सभी जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी और कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से युवा मोर्चा द्वारा चलाए जा रहे 1 बूथ 10 यूथ अभियान के तहत सभी मंडलों को दिए गए लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रवीन दहिया ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए युवाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है और कार्यकर्ताओं को सक्रिय होकर अभियान को सफल बनाना होगा। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई।

सोनीपत। बैठक में पहुंचें पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रशिक्षण भारतीय जनता पार्टी की आत्मा है और अंत्योदय उसका मंत्र है। उन्होंने कहा यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं में राष्ट्रवाद, सेवा भाव और वैचारिक प्रतिबद्धता को मजबूत करना है, जो भाजपा को अन्य दलों से अलग बनाती है। बड़ौली ने रविवार को सोनीपत स्थित भगवान विश्वकर्मा मंडल और महाराजा अग्रसेन मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के तहत कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। दोनों मंडल कार्यशालाओं में सोनीपत जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार कटारिया, जिला महामंत्री तरूण देवीदास, नीरज, नरेंद्र भारतीय सहित पदाधिकारी एवं भाजपा मंडल परिवार के देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने इस दौरान प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं कार्यकर्ताओं से संगठन की अपेक्षाओं के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षण को कार्यकर्ता निर्माण की निरंतर साधना बताते हुए कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य संगठन की मजबूती, जनसेवा, वैचारिक प्रतिबद्धता, और मूल्य आधारित राजनीति को बढ़ावा देना। बड़ौली ने कहा कि भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित होकर समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को आधार बनाकर केंद्र में

सोनीपत। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष साथ में अन्य पदाधिकारी।

यूपीएससी में 344वां रैंक लाने वाले वैभव को दी बधाई

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने सोनीपत निवासी वैभव भारद्वाज को यूपीएससी परीक्षा में 344वां रैंक प्राप्त करने पर बधाई दी। बड़ौली रविवार को वैभव के निवास स्थान पर पहुंचे और वैभव को आशीर्वाद दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, प्रदेश प्रवक्ता राज कुमार कटारिया भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतार रही है।

जिले में कई स्थानों पर मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिले की 9 शिक्षिकाओं को मिला 'नारी रत्न सम्मान'

■ नई दिल्ली के नजफगढ़ स्थित साईं गार्डन में आयोजित समारोह में किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नई दिल्ली के नजफगढ़ स्थित साईं गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में सोनीपत के मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय की प्राचार्य सुमन बाला शर्मा व महिला अध्यापिकाओं को नारी रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बाल युवा नारी जागृति मंच व प्रकृति भक्त संस्था की ओर से विभिन्न प्रदेशों से आई महिलाओं को सम्मानित किया गया।

प्राचार्य सुमन बाला शर्मा ने बताया कि संस्था की ओर से साईं गार्डन में 28वां नारी रत्न सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभिन्न प्रदेशों में महिलाओं के अच्छे कार्य करने व उन्हें प्रेरित करने के लिए किया गया।

समारोह में संस्था के प्रतिनिधियों ने मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय भूगोल प्रवक्ता दर्शन कुमारी, डॉ. कांता हुड्डा, गृह विज्ञान अध्यापिका सुनीता शर्मा, योगिता डागर, एबीआरसी सुमन छिक्कारा का फूल मालाओं से स्वागत कर सभी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इनके अलावा समारोह में सोनीपत की हिंदी अध्यापिका गीता, हिंदी प्रवक्ता बबीता, जेबीटी सोनिया खत्री को भी सम्मानित किया गया। साथ ही संस्था की ओर से टीचर स्टेट अवॉर्डी दिलबाग सिंह को स्वच्छ पर्यावरण जागरूकता, रक्तदान, गोमाता की सेवा, स्कूल में मूक प्राणियों को दाना पानी डालने, जरूरतमंद की सहायता जैसे सेवा कार्यों से प्रभावित होकर उनका सम्मान किया गया।

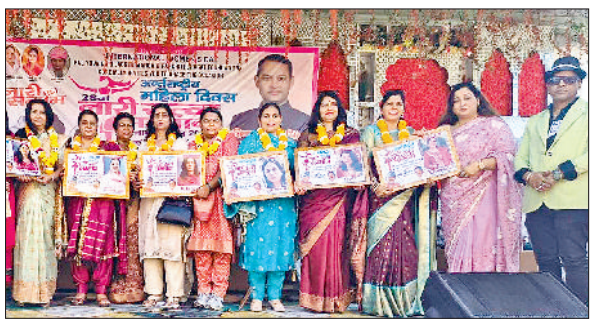

सोनीपत। नई दिल्ली के नजफगढ़ स्थित साईं गार्डन में आयोजित समारोह में सम्मानित सोनीपत की शिक्षिकाएं। *फोटो : हरिभूमि*

नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी को किया सम्मानित

गोहाना। जेसीआई गोहाना स्टार की महिला विंग ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नगर परिषद (नप) चेयरपर्सन रजनी विरमानी को सम्मानित किया। संगठन की महिलाओं ने चेयरपर्सन के निवास पर पहुंचकर उन्हें स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया और महिला सशक्तिकरण के प्रति उनके योगदान की सराहना की। चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने कहा कि महिलाएं समाज की शक्ति हैं और उनके सम्मान, अधिकार एवं सशक्तिकरण के लिए हम सभी को मिलकर निरंतर कार्य करना चाहिए। महिलाएं सशक्त होंगी तभी समाज का समग्र विकास संभव है। उन्होंने कहा कि यह स्नेह और सम्मान उनके लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का विषय है। इस मौके पर मीनू वर्मा, निम्मी मेहता, अनीता देवगन, ममता मेहता, कविता कटारिया, पूजा मल्होत्रा, श्वेता मेहता, वैशाली बत्रा, सोनू मंचंदा और दिव्या ग्रोवर सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

गोहाना। रजनी विरमानी को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए जेसीआई गोहाना स्टार महिला विंग की महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

महिला दिवस पर तीन स्थानों पर सम्मान समारोह

सोनीपत। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फर्स्ट एड, लीगल एंड सोशल सर्विसेस एसोसिएशन के तत्वावधान में सोनीपत में तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संस्था की ओर से विशेष रूप से गृहिणियों को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि गृहिणियां परिवार और समाज की मजबूत नींव होती हैं और अपने समर्पण व परिश्रम से समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन तथा महिला थाना सोनीपत की पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव अश्विनी त्यागी, जिला अध्यक्ष प्रवेश सहरावत, जिला सचिव कोमल बब्बर सहित सृष्टि, गीता, शिवकुमार, धर्मेंद्र और मनजीत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन महिलाओं को कानूनी सहायता, सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

शाहपुर तगा गांव की बेटी पायल को सीसीएसयू में 'नारी शक्ति गौरव सम्मान' से नवाजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के राजनीति विज्ञान विभाग की छात्रा व गांव शाहपुर तगा निवासी पायल को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित समारोह में वीरमाता पन्नाधाय नारी शक्ति गौरव सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 1857 के क्रांतिनायक शहीद धनसिंह कोतवाल शोध संस्थान की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। समारोह में क्षेत्र के शिक्षाविदों व सामाजिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पायल की शैक्षणिक उपलब्धियों और सामाजिक विषयों पर सक्रियता की सराहना की गई। आयोजकों ने कहा कि पायल ने अपने परिश्रम और लगन से न केवल अपने परिवार बल्कि क्षेत्र का भी नाम रोशन किया है। सम्मान प्राप्त करने पर पायल ने खुशी जताते हुए इसका श्रेय अपने माता संतोष देवी, पिता महेंद्र रंगा, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव शर्मा तथा अपने शोध निर्देशक जयवीर सिंह को दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग से ही यह उपलब्धि संभव हो पाई है।

गन्नौर । पायल को सम्मानित करते क्रांतिनायक शहीद धनसिंह कोतवाल शोध संस्थान के पदाधिकारी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली निर्मला देवी मोहाली में सम्मानित

खरखौदा। मोहाली पंजाब में समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली खरखौदा की बुजुर्ग महिला निर्मला देवी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खरखौदा की ठाकुर जी की रसोई की मुख्य सेविका निर्मला देवी को उनकी निस्वार्थ सेवा भावना और समाज के प्रति समर्पण के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की धर्मपत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर ने निर्मला देवी को सम्मान प्रदान किया। निर्मला देवी पिछले कई वर्षों से ठाकुर जी की रसोई के माध्यम से जरूरतमंदों, मरीजों व असहाय लोगों की सेवा में लगातार समर्पित भाव से कार्य कर रही हैं। उनकी इसी सेवा भावना को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया है। इस सम्मान से खरखौदा क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

खरखौदा। निर्मला देवी को सम्मानित करती पंजाब के सीएम की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे सशक्तिकरण संभव : प्रो. सुदेश

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे सशक्तिकरण संभव है। शिक्षा न केवल सामाजिक और आर्थिक अपितु बौद्धिक रूप से सशक्त बनाती है। वे रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण में शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। कुलपति ने कहा कि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और नेतृत्व के गुणों से संपन्न बनाना है। जब महिलाएं शिक्षित और सशक्त होती हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज और राष्ट्र के विकास पर पड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास करें। आज की युवा पीढ़ी विशेष रूप से छात्राओं के पास अपने सपनों को साकार करने की असीम संभावनाएं हैं। उन्हें शिक्षा, कौशल और आत्मविश्वास के बल पर आगे बढ़ते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

छात्राओं की उपलब्धियों को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गेटवे कॉलेज में 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए - समानता, अधिकार और सशक्तिकरण के विषय पर आधारित इस समारोह में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध लेखिका, सामाजिक विचारक और टीकाराम गर्ल्स कॉलेज की पूर्व प्राचार्या डॉ. कमलेश मलिक उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में डॉ. मलिक ने प्रतिभा को निखारने और सशक्तिकरण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्र-छात्राओं को समाज में समान अवसर और नेतृत्व के प्रति प्रेरित किया।

सोनीपत। गेटवे कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान अतिथियों के साथ छात्राएं।

छात्रों का सम्मान रहा मुख्य आकर्षण

समारोह का मुख्य आकर्षण विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान रहा। विशेष पहचान पुरस्कार के लिए निवेदिता (बी.आर्क) और मेघना (बी.टेक) को चुना गया, जबकि खेल उत्कृष्टता में अंजलि सिंह राजपूत (बी.फार्मा), वंशिका (बी.टेक) और विनीता चौहान (बीसीए) ने बाजी मारी। वहीं नेतृत्व एवं उद्यमिता के लिए आस्था साहू (बी.आर्क), शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए तमन्ना (बी.टेक), अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए तारिणी भाटिया (एमबीए) और ललित कला के लिए सोनाली (बी.आर्क) को सम्मानित किया गया।

सोनीपत। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए अतिथिगण।

वूमेन हॉकी सीरीज का समापन, टीम वॉरियर्स बनी विजेता

सोनीपत। प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रोमोशन फाउंडेशन के तत्वावधान में औद्योगिक क्षेत्र स्थित घास के खेल मैदान पर रविवार को आयोजित वूमेन हॉकी सीरीज का भव्य समापन हुआ। महिला सशक्तिकरण और खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला टीम वॉरियर्स और टीम बुल्स के बीच खेला गया। फाइनल मैच में दोनों टीमों के बीच शुरुआत से ही कड़ा मुकाबला देखने को मिला। रोमांचक मुकाबले में टीम वॉरियर्स ने टीम बुल्स को 1-0 से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई, वहीं प्रत्येक खिलाड़ी को बैग देकर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं मन्नत ग्रुप के एमडी वीरेंद्र कादियान तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व असिस्टेंट डायरेक्टर दिलबाग दहिया उपस्थित रहे।

आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार : बंसल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

भाजपा नेता व समाजसेवी अरुण बंसल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास की भावना को लेकर कार्य करना चाहिए।

अरुण बंसल रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026, विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हुए समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद किया और कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। रविवार को अरुण बंसल ने यूपीएससी में 344वीं रैंक प्राप्त करने वाले वैभव के घर जाकर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं की मेहनत और समर्पण ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। वैभव की सफलता करनाल के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित वार्षिक महोत्सव में भाग लिया। अरुण बंसल ने कहा कि आध्यात्मिकता और सकारात्मक सोच आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम समाज में शांति, भाईचारे और नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। उन्होंने मदन लाल ढींगरा कम्युनिटी सेंटर में आयोजित विराट हिंदी सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और भावनाओं की पहचान है।

श्मशान घाट पर विकास कार्य शुरू

गन्नौर । गांव गुमड़ में करीब 20 लाख रुपये की लागत से श्मशान घाट के रास्ते, चारदीवारी और शेड के निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई। रविवार को गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान के प्रतिनिधि के तौर पर उनके अनुज वीरेंद्र कादियान ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने वीरेंद्र कादियान का फूलमालाओं से स्वागत किया। इस दौरान गांव के बुजुर्गों व युवाओं ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने बताया कि श्मशान घाट तक जाने के लिए पक्का रास्ता नहीं होने से अंतिम संस्कार के समय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

बाबा बिशनदास धाम में लगाया शिविर

सोनीपत। मुरथल स्थित बाबा बिशनदास धाम में रविवार को स्वर्गीय डॉ. नवीन गोयल की पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों व क्षेत्रवासियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि के रूप में गांव मुरथल के सरपंच रामेश्वर आंतिल ने शिरकत की। सुभाष वशिष्ठ, किरण बाला, संजय सिंगला, अधिवक्ता अरविंद मित्तल, प्रवीन वर्मा, मोहन सिंह मनोचा, जयवीर गहलावत, पवन जिंदल, त्रिभुवन कौशिक, देवेंद्र कुच्छल ने रक्तदाताओं को प्रेरित किया।

हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाली

सोनीपत। इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी सुबह ब्रह्म कॉलोनी स्थित चंद्रेश के घर से तुलसी आरती करके प्रारंभ की गई। इसके बाद ब्रह्म कॉलोनी, भगतपुरा, तारानगर, मन मंदिर होते हुए वापस चंद्रेश के घर पर संपन्न हुई। प्रभातफेरी का मार्ग पर कई जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्यों ने प्रभातफेरी के दौरान हरिनाम संकीर्तन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

निशु को बधाई देने वालों का तांता लगा

गन्नौर। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में क्षेत्र की प्रतिभाशाली अभ्यर्थी निशु त्यागी ने इस बार अपनी रैंक में उल्लेखनीय सुधार करते हुए 685वीं रैंक हासिल की है। इससे पहले उन्हें 752वीं रैंक प्राप्त हुई थी। रैंक में सुधार की खबर मिलते ही परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल बन गया। गांव और आसपास के लोगों, मित्रों व शुभचिंतकों ने निशु को बधाई देते हुए उनकी मेहनत और लगन की सराहना की।

पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा पहुंचे फरमाणा

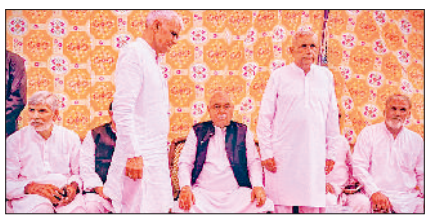

खरखौदा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा गांव फरमाना पहुंचे और तेजा पहलवान के यहां एक समारोह में शामिल हुए। इससे पहले भूपेंद्र सिंह हुड्डा समुंदर सिंह दहिया की याद में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सिसाना पहुंचे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

बदहाल नागरिक सुविधाओं पर बरसे दिवान, वार्डों में सुनीं जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शहर के विभिन्न वार्डों में जनसभाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने जहां एक ओर महिलाओं की उपलब्धियों की सराहना की, वहीं दूसरी ओर शहर की चरमराती व्यवस्थाओं को लेकर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन पर जमकर निशाना साधा। महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में कमल दिवान ने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। शिक्षा, खेल, बैंकिंग, सेना और कॉर्पोरेट जगत सहित हर महत्वपूर्ण क्षेत्र में महिलाओं का योगदान उल्लेखनीय है।

■ कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष ने भाजपा सरकार के दावों को बताया खोखला, कहा हर शहरवासी परेशान

उन्होंने कहा कि महिलाओं को समान अवसर और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जनसभाओं के दौरान स्थानीय निवासियों ने पेयजल, सीवरेज और कूड़ा उठान जैसी समस्याएं उठाईं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कमल दिवान ने कहा कि शहर के लोगों को मूलभूत सुविधाएं भी ठीक से उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों पर सीवरेज का पानी जमा रहता है और कई क्षेत्रों में पीने के पानी की किल्लत बनी हुई है। उन्होंने भाजपा सरकार के नौ महीने के कार्यकाल को केवल दावों तक सीमित बताते हुए कहा कि धरातल पर स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। इस दौरान शांति नगर वार्ड नंबर 6 में रवि के नेतृत्व में, लहराड़ा वार्ड नंबर 17 में प्रीतम कुमार के नेतृत्व में, जगदीशपुर वार्ड नंबर 9 में मुकेश कुमार के नेतृत्व में, आरके कॉलोनी मुरथल वार्ड नंबर 6 में ललित कश्यप उर्फ कर्मवीर कश्यप के नेतृत्व में तथा प्रगति नगर वार्ड नंबर 22 में बंसीलाल के नेतृत्व में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सोनीपत। जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता कमल दिवान। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया, पूर्व विधायक सुरेंद्र पवार, मेघा दिवान, कोषाध्यक्ष नीटू दहिया, पूर्व सरपंच लीलू ककरोई, सचिव अंकित मेहता, सचिव बबला मलिक, सचिव दिनेश हुड्डा, भारत सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

धर्म-कर्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है नया हिंदू नववर्ष

उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में शुक्ल योग के साथ मीन लग्न में होगा नव संवत 2083 का शुभारंभ, बृहस्पति होंगे राजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

अंग्रेजी कैलेंडर में जहां नववर्ष की शुरुआत जनवरी माह से होती है, वहीं नया हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 19 मार्च से प्रारंभ हो रहा है।

इस तिथि से ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचना की शुरुआत की थी। पंचांग के अनुसार इस वर्ष के विक्रम संवत का नाम रौद्र संवत्सर रहेगा। इसी दिन चैत्र नवरात्रों की शुरुआत भी हो रही है। साथ ही महाराष्ट्र जैसे विभिन्न राज्यों में इस दिन गुड़ी पड़वा का पर्व भी मनाया जाएगा। इस साल यह दिन धार्मिक व सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा।

ज्योतिषाचार्य डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि 19 मार्च को गुरुवार का दिन पड़ रहा है, इसलिए इस वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति होंगे। ज्योतिष परंपरा में हर नव संवत्सर के लिए ग्रहों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं। इसे ग्रहों की कैबिनेट के नाम से भी जाना जाता है। इस बार देवगुरु बृहस्पति को राजा बनाया गया है।

बृहस्पति ज्ञान, धर्म व नीति के कारक माने जाते हैं। ऐसे में इस साल के दौरान धार्मिक गतिविधियों में बढ़ोतरी व आध्यात्मिक रुझान देखने को मिल सकता है। ऊर्जा व पराक्रम के कारक मंगल को मंत्री का पद मिला है। मंगल के प्रभाव से समाज में तेजी व आक्रामकता बढ़ सकती है। लोग अपने अधिकारों के लिए मुखर हो सकते हैं, लेकिन जल्द गुस्सा आना व टकराव की स्थिति भी बन सकती है।

मन के कारक चंद्रमा को गृह मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। इससे आम लोगों के मनोभाव जल्दी बदल सकते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। ग्रहों के राजकुमार बुध को खाद्य मंत्री बनाया गया है। बुध व्यापार, संचार व अनाज से जुड़े मामलों के कारक हैं। विक्रम संवत 2083 का नाम रौद्र होने से यह उग्र स्वभाव का संकेत देता है।

ये रहेगी वर्षभर की स्थिति

नववर्ष का आरंभ उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में होगा। उस समय शुक्ल योग के साथ मीन लग्न रहेगा। ऐसे में वर्ष के दौरान प्राकृतिक, सामाजिक या राजनीतिक स्तर पर उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। शास्त्रों के संकेत के अनुसार रौद्र संवत्सर में बारिश सामान्य से कम होगी। जिसका असर कृषि उत्पादन पर पड़ सकता है। ऐसे में अनाज व आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने की संभावना होगी। साथ ही अग्नि संबंधी घटनाएं, प्राकृतिक आपदाएं, राजनीतिक अस्थिरता जैसी स्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं।

श्रीराम व युधिष्ठिर का इसी दिन हुआ राज्याभिषेक

माना जाता है कि चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन ही भगवान श्रीराम, राजा युधिष्ठिर का राज्याभिषेक होने के साथ देवी शक्ति पूजन का प्रारंभ हुआ। महर्षि संत गौतम ऋषि का जन्म भी इसी तिथि के दिन हुआ था। महाराजा विक्रमादित्य ने इसी दिन अपने राज्य की स्थापना की थी। राजा विक्रमादित्य के नाम पर ही इसका विक्रम संवत नाम रखा गया है।

2 होंगे ज्येष्ठ माह, पूजा-पाठ का मिलेगा कई गुना फल

डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि विक्रम संवत 2083 में एक अतिरिक्त चंद्र मास जुड़ रहा है। ऐसे में विक्रम संवत 2083 में ज्येष्ठ महीने में अधिकमास पड़ेगा। एक साल में 2 बार ज्येष्ठ माह रहेगा। इसे ही अधिकमास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। अधिक ज्येष्ठ मास की शुरुआत 17 मई से प्रारंभ होकर 15 जून को संपन्न होगी। इस दुर्लभ स्थिति के कारण ज्येष्ठ मास करीब 60 दिन रहेगा। इस कारण यह साल 13 महीनों का माना जाएगा। यह संयोग आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए खास माना गया है। इस दौरान व्रत, पूजा-पाठ व दान करने का कई गुना फल मिलता है। अधिकमास में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण, भूमि पूजन व नए व्यापार की शुरुआत जैसे शुभ कार्य करना उचित नहीं माना गया है।